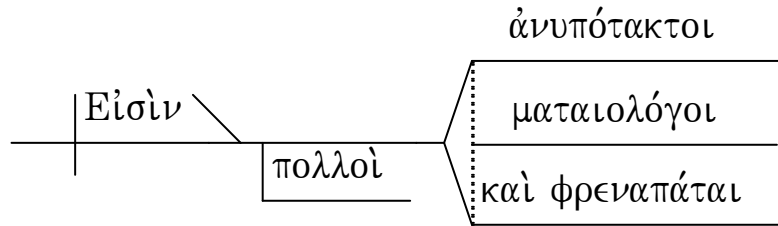
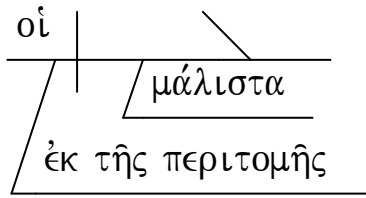


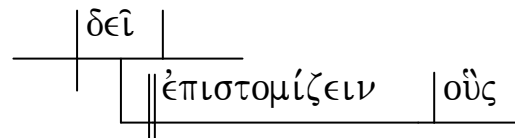
Tit 1:10 a γάρ



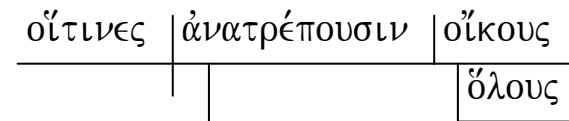
b



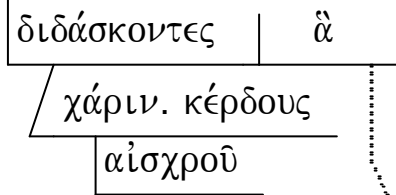
Tit 1:11 a



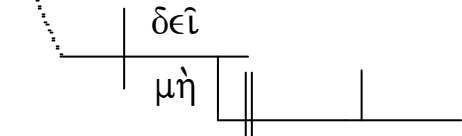
b



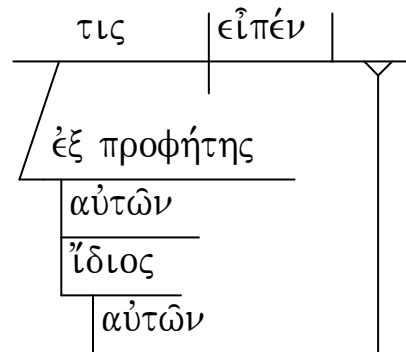
c



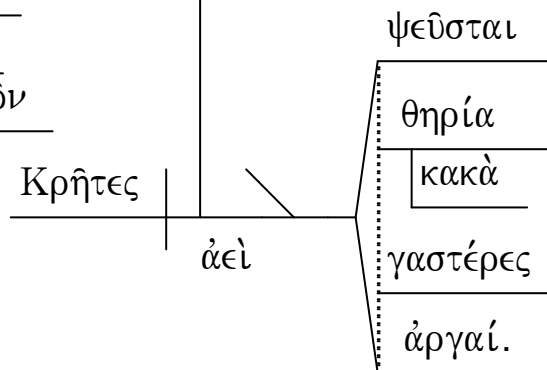
d



Tit 1:12 a



b



**Tit 1:13 a**

ἡ μαρτυρία | ἐστὶν | ἀληθής.  
|  
| αὕτη

| ἔλεγχε | αὐτοὺς  
|  
| / ἀποτόμως  
| / δι' αἰτίαν  
| / ἦν

| ἵνα

b

| / ὑγιαίνωσιν  
| / ἐν τῇ πίστει  
| / προσέχοντες

**Tit 1:14**

| / μὴ / μύθοις  
| / Ἰουδαϊκοῖς  
| / καὶ / ἐντολαῖς  
| / ἀνθρώπων  
| / ἀποστρεφόμενων | τὴν ἀλήθειαν.

**Tit 1:15 a**

πάντα | / καθαρὰ  
| / τοῖς καθαροῖς

b

δὲ

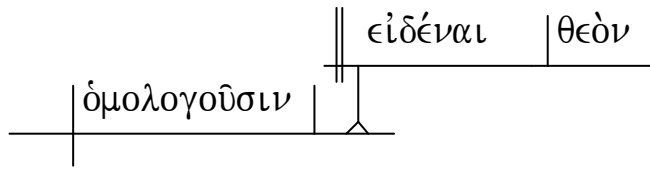
οὐδὲν | / καθαρὸν  
| / μεμιασμένοις  
| / τοῖς / καὶ / ἀπίστοις

c

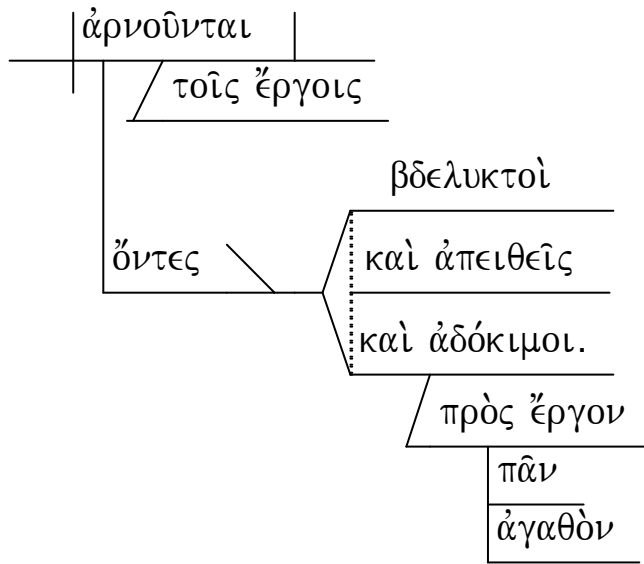
ἀλλὰ

καὶ ὁ νοῦς  
| / μεμιάονται  
| / αὐτῶν  
| / καὶ ἡ συνείδησις.

Tit 1:16 a



b δὲ



c